counsel of deft.- Application to take L,Rs. on record, submitted on 17-9-93 after a period of 150 days without on application u/s 5, Limitation Act- Contention of counsel for petitioner is that application submitted on 17-9-93 was under order 22 Rule 4 and order 22 Rule 9, therefore entitled for condonation, held wrong- proper reasons for delay, not explained or given in application- Application rejected at admission state. मामलें पर पूर्णतया चस्पा होती है।

इस संबंध में अभिभाषक रेस्पोडेन्ट द्वारा प्रस्तुत नजीर ए.आई.आर. 1983 एससी पेज 677 में यह स्पष्ट रूप से अभिनिर्धारित किया गया है कि:–

Order 22, Rule 11 of the Civil P.C. read with O.22, R 4 makes it obligatory to seek substitution of the heirs and legal representatives or deceased respondent if the right to sue survives. Such substitution has to be sought within the time prescribed by law of limitation. If no such substitution is sought, the appeal will abate. मामलें में पूर्णतया चस्पा होती है।

अतः उरोक्त नजीरों के प्रकाश में अपीलांट की अपील सिविल प्रकिया संहिता के आदेश 22 नियम 4 के तहत अबेट हो चुकी है। अतः अपीलांट की अपील जरिये अबेटमेंट खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तामील व तक्मील दाखिल दफतर हो।

(डॉ0राकेश कुमार शर्मा)
राजस्व अपील प्राधिकारी
बीकानेर।

राजस्व अपील प्राधिकारी
बीकानेर